

Title of Mss. : *Vishnu Purāna*
No. of Folios : *13* *Vidh*
Materials : *SP* ✓
Conservation : Preventive/Curative
Performed by KKHL, MCC: GU
National Mission for manuscripts,
New Delhi,
Date *29.10.06* *40*

ବିଷୟ ମୁଦ୍ରା ବିବିଧି

ସମାପ୍ତିମାତ୍ର / ଅନୁସୂଚିତ ଶାସ୍ତ୍ର /

୧-୨୬ ପାଠ / ୧୧ ନମ୍ବର ପାଠ ନାହିଁ /

୧, ୨୬ ପାଠ ଦେଖାଯାଇ ନିମ୍ନା /

ମୂଲ୍ୟାଙ୍କନରେ ତଳ ପୋଡ଼ା ନହିଁ /

ଓଡ଼ିଆ 13 cm x 5.5 cm / Folio

No. 1 L. Side worm eaten /

Chidananda Goswami

KKHL MRC Catalogue

কয়েনমষ্ট দি অগাশটল ॥

স্বতকমায আমাবেসাহপ্রাবে-

স্বগুৰঃ স্বায়েঃ উদ্বিউজবস্ব

ওয়কবং স্বতমাশ্চানুশেষীন

संघं तद्वन्ददमितः येन तस्मै श्री
गुरुये नमः ॥ अतिप्रोक्तवत् ॥

अथ शान्तं तन्मध्ये यो दि अमक
देवता प्रातये शान्तः कश्चित् अथ
शान्त्या चाम् अं हृदयान् नमः ॥

अप्रकामप्रसूयै अवामेवकु
शक्तिमहितं एवंघात्रा मनसा
अज्ञानावज्ञानयः दया प्रानमे
अज्ञानं महतीनां कविः प्राप्नुयेन

शुद्धा अथुक्त सैष जलं दक्षिण हृत्स्थे
नादाय नासिका त्रेनिधाय उरुजायुक्तं
३ ध्यात्वा उरुजायुक्तं देहात्तत्र संकलनात्
प्रकाल्य चिह्नलयात्तत्र बजासिलोयाः
मन्त्र उक्ति मन्त्रा अन्तःपूजा ॥

विश्वकोशस्यार्थे विष्णोर्वचसि ३३ वर
ज्येष्ठे ३३ नवग्रहाद्योषं ३३ मन्त्रादि
वामहस्तो ज्ञानं निधाय ३३ यथं नमः
निमित्तं तेषां ज्ञानात् ३३ मन्त्रादि

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

४

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ अथ मन्त्रेण नाक्षत्राणि गायत्रि
न्दुश्रीशुभ्रं देवतास्तुवर्गमिन्द्रं
विनिर्गोर्गं मिथ्यानाक्षत्रं
शुभ्रं सुमे गायत्रिन्दुमे नमः
शुभ्रं देवताये नमः सर्वदा

ॐ

ॐ नमो माथवायनमः शिमायां ॐॐ गोवि
दायनमः कवचे ॐ गं विष्टे येनमः नय
यो ॐ वं मयुग्मुदनायनमः मुत्तये ॐ तं
विबिकमायनमः उदरे ॐ वां यामनायेनमः
सुत्तये ॐ म् शीथवायनमः वात् ॥

ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ॐ इन्द्रि कर्मि केशवाय नमः शान्ता

ॐ यां शर्मनातोय नमः ज्योत्सो ॐ यं

दामोदवाय नमः शान्दयो ॥ विज-गान

ॐ वाग्देवाय नमः शान्द ॐ श्वा शर्मना

१

श्यांनमः ॐ त्र्यम्बकं यजामहे सुब्रह्मणेव्योमहेश्वर्यै नमः ॐ नमः
 माश्यांनमः ॐ श्रीगणेशाय नमः ॐ नमः
 ॐ नमः ॐ नमः ॐ नमः ॐ नमः
 ॐ नमः ॐ नमः ॐ नमः ॐ नमः

ॐ श्रीं हृदयानमः ॐ श्रीं सिद्धाय
ॐ श्रीं सिद्धायैवमः ॐ श्रीं कवचायैव
ॐ श्रीं नैवाथावैवमः ॐ श्रीं २०० श्रीं
यनमः ॐ श्रीं काननं । ॐ श्रीं श्रीं श्रीं

५

वैश्वानरं यथा चैतन्महत्तमं
सुतः प्रहं गो गोसु वानिन इति
तुः अमुतिष्ठ यथा वैश्वानरः प्रीति
सः सः सुतः सुतः सुतः सुतः

৩৩
আম্মাখানং উদ্ভাসি কুমাং কনবি
প্রকুলে কমলে শ্রবনং গুণাচরণং
লীতি স্বামিতা ফিণে বিষ্ণুঃ মোবদে
খাম্মাখানেন মতিতুতো ওম মন্ত্রং

১) গঙ্গা সান্দ্রী শ্রী জগদীশ্বরনামঃ ^{মূলং} বসোর্থ
২) মূলং ইদং আচমনিয়াঃ শ্রী জগদীশ্বরনামঃ
এবং বাসুদেবমুখ্যঃ শ্রী জগদীশ্বরনামঃ

सुषोऽन्तः ॥ ज्ञाते ध्यात्वा मानसो
सुखात्कालिः वयः दत्त्वा पुनश्च ध्यात्वा
सह दयात् सत्त्वात्तौ संश्लेषे सुखं

শ্রীনামঃ সুর্যাস্তমালানামায়

২০ গুণ্য বিবী শ্রী সুর্যাস্তম

বহুগুণ্যে সুর্যে আবধন দেব

সাত্থোনামঃ দ্বাষ দেব সাত্থোনামঃ

पञ्चगव्यं इन्द्रप्रस्थं इन्द्रधनुः
इन्द्रदीपं इन्द्रसामव्यसन
निवेद्यं इन्द्रगन्धर्वं श्रीहृदय

उत्तमं सुखायकलिद्वयं दृष्ट्वा मुनिं

॥ यथासक्तिं जयित्वा प्रानोयमानं

दृष्ट्वा प्राश्नात्ते जनाय ॥ त्रैलोक्ये

दिगुह्ये गोपुत्रं सुखानाथं सुखे

গোপীবালকেশ্যো নামঃ গোপিকা
শ্যো নামঃ শ্যামকেশ্যো নামঃ ॐ
সুভা যনুমঃ স্বার্থায়ে নামঃ ॐ
নবীনামঃ ॐ স্বপ্নকিশোনা যনুমঃ

প্রদত্তে স্বাধীন বিবেকং

২. উৎসর্গক বোনাথনন জাতি মঙ্গল মত

জাতি মঙ্গল মত স্বাধীন মঙ্গল

স্বাধীন মঙ্গল মঙ্গল মঙ্গল

শ্রীমদ্ভগবদ্গীতা উপনিষৎ সোমেশ্বর ৩৮

দ্বাদশ সর্গে সর্বত্র ৫ ভাষিত মন্ত্রেণ

১০। দেবক্যাং অম্মাং কৃষ্ণে দশা

ভূতি কুবচো পোতিয়া হৃদুবেন

श्रीगणेशाय नमः ॥

श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥